Sl.No. :

नामांक **Roll No.**

No. of Questions – 18

No. of Printed Pages – 7

SS–01–Hindi (C)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2023

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2023

हिंदी (अनिवार्य)

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) बहुविकल्पी प्रश्न –

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

आम यहाँ का विशेष मेवा है । इसमें रस भरा रहता है और इसका बौर बसन्त का अग्रदूत है । हमारे यहाँ अश्वत्थ (पीपल) को भी विशेष महत्ता दी गई है । श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों में अश्वत्थ को भी माना गया है – 'अश्वत्थ: सर्व वृक्षाणाम् ।' भारतीय संस्कृति में जिन–जिन वस्तुओं को महत्ता दी गई है वे सब श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों के रूप में आ गई हैं । भगवान बुद्ध को भी अश्वत्थ वृक्ष के ही नीचे बुद्धत्व प्राप्त हुआ था । स्थावर वस्तुओं में हिमालय को, सरिताओं में गंगा को, पक्षियों में गरुड़ को तथा ऋतुओं में बसन्त ऋतु को महत्ता दी गई है । स्त्रीलिंग चीजों में कीर्ति, वाणी, स्मृति, बुद्धि और धृति (धैर्य) को महत्ता दी गई है । यह भी हमारी जातीय मनोवृत्ति का परिचायक है ।

i) भगवान बुद्ध को बुद्धत्व जिस वृक्ष के नीचे प्राप्त हुआ था – **[1]**

अ) आम ब) अश्वत्थ
स) कर्णिकार द) अमलतास

ii) बसन्त का अग्रदूत किसे कहा गया है? **[1]**

अ) आम का बौर ब) अश्वत्थ का बौर
स) कर्णिकार का बौर द) अमलतास का बौर

iii) श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में भगवान की विभूतियों में माना गया है – **[1]**

अ) वाणी को । ब) भगवान बुद्ध को ।
स) भारतीय संस्कृति को । द) अश्वत्थ को ।

iv) निम्नलिखित में से 'नदी' का पर्यायवाची है – **[1]**

अ) लहर ब) सरिता
स) वीचि द) तरंग

v) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है – **[1]**

अ) जातीय परिस्थिति ब) हिमालय का महत्व
स) भारतीय संस्कृति द) भाषा की उपयोगिता

vi) 'जंगम' शब्द का विपरीतार्थ है – **[1]**

अ) स्थावर ब) गीता
स) स्मृति द) धृति

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए –

भू–लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ ।।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है ।।
हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है?
भगवान की भव–भूतियों का यह प्रथम भण्डार है ।
विधि ने किया नर–सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है ।।

vii) कवि ने 'भू–लोक का गौरव' किसे बताया है? **[1]**

अ) गंगा–जल को ब) विश्व को
स) भारतवर्ष को द) प्रकृति को

viii) निम्न में से 'नर–सृष्टि' का सर्वप्रथम विस्तार किया है – **[1]**

अ) संसार ने ब) विधि ने
स) मनोहर गिरि ने द) भव–भूति ने

ix) 'नूतन' शब्द का विलोम है – **[1]**

अ) वरदान ब) अभिशाप
स) विस्तार द) पुरातन

x) निम्न में से भारत की श्रेष्ठता परिलक्षित होती है – **[1]**

अ) विफल गर्व ब) ऋषिभूमि और भवभूति भण्डार ।
स) सहृदय चिंतक द) सुसज्जित क्षण

xi) उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक नीचे लिखे विकल्पों से छाँटिए – **[1]**

अ) भारत की श्रेष्ठता । ब) मनुज का मन ।
स) भावी सजग । द) अग्नि समर ।

xii) 'वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है ।' इस पंक्ति का सही आशय है – **[1]**

अ) भारतभूमि संसार के सम्पूर्ण देशों में सर्वश्रेष्ठ है ।
ब) जगत कल्याण में आदर्श
स) बालोपयोगी साहित्य का सृजन
द) विकृत परम्पराओं का खण्डन

प्र.2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

i) हिन्दी व्याकरण को मोटे तौर पर .... वर्गों में विभाजित किया गया है । [1]

ii) भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने संबंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को .... कहते है । [1]

iii) ''लक्षित पुस्तक पढ़ रहा है।'' वाक्य में .... शब्द शक्ति है । [1]

iv) जब किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा हो या अभिधा से अभीष्ट अर्थ का बोध न हो, वहाँ .... शब्द शक्ति होती है । [1]

v) जब कोई शब्द अपने एक से अधिक अर्थ प्रकट करे तो उस शब्द के कारण वहाँ .... अलंकार होता है । [1]

vi) ''कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय ।'' काव्य पंक्ति में प्रयुक्त .... अलंकार है।[1]

प्र.3) निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर एक पंक्ति में दीजिए –

i) निम्न पारिभाषिक शब्दों के अर्थ लिखिए – [1]
   A) Premises
   B) Quarterly

ii) 'अनुभाग' शब्द के लिए पारिभाषिक शब्द लिखिए । [1]

iii) प्रमुख जनसंचार माध्यमों के नाम लिखिए । [1]

iv) ''अरे ये वैडिंग एनिवर्सरी वगैरह सब गोरे साहबों के चोंचले हैं'' यह शब्द किसने कहे? [1]

v) लेखक सौंदलगेकर मास्टर के किस प्रकार नजदीक पहुँच गया? [1]

vi) कौनसे दो शहर दुनिया के पुराने नियोजित शहर माने जाते है? [1]

vii) मुअनजो–दड़ो की खुदाई अब क्यों बंद कर दी गई है? [1]

viii) 'मौत के खिलाफ मनुष्य' नाम की किताब में लेखक ने क्या पढ़ा था? [1]

ix) औरतों की आँखे किन–किन ताकतों ने खोली है? [1]

x) 'निशा निमंत्रण' के गीत में कवि ने किस काव्यात्मक चित्रण की कोशिश की है? [1]

xi) महादेवी के प्रति अनमोल आत्मीयता से युक्त भक्तिन के बहाने क्या संदेश दिया गया है? [1]

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 40 शब्दों में दीजिए –

प्र.4) मुद्रित माध्यमों में लेखन हेतु किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? [2]

प्र.5) वर्तमान इंटरनेट पत्रकारिता के बारे में संक्षेप में लिखिए। [2]

प्र.6) 'फीचर लेखन' के बारे में लिखिए। [2]

प्र.7) 'पतंग' कविता में किन–किन बिम्बों को चित्रित किया है? [2]

प्र.8) 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव लिखिए। [2]

प्र.9) मनुष्य को कौन – कौन से दुर्गुण घायल कर बेकार बना देते हैं? [2]

प्र.10) 'काले मेघा पानी दे' में लोक प्रचलित विश्वास और विज्ञान का द्वन्द्व चित्रण अपने शब्दों में लिखिए। [2]

खण्ड – स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्र.11) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा जगाने के मकसद से शुरु कार्यक्रम क्रूर बन जाता है। इस कथन का आशय लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा 60-80 शब्द) [3]

अथवा

'भवितव्यता डराती है।' 'सहर्ष स्वीकारा है' के आधार पर समझाइए। (उत्तर शब्द सीमा 60-80 शब्द)

प्र.12) 'अकस्मात् गाँव पर यह वज्रपात हुआ।' इस कथन के आधार पर चुनौतिपूर्ण परिस्थितियों को लिखिए। [3]
(उत्तर शब्द सीमा 60-80 शब्द)

अथवा

'चार्ली चैप्लिन किसी भी संस्कृति को विदेशी नहीं लगते है।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है? अपने विचार लिखिए। (उत्तर शब्द सीमा 60-80 शब्द)

प्र.13) 'हरिवंशराय बच्चन' कवि परिचय लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा 80-100 शब्द) **[4]**

अथवा

'जैनेन्द्र कुमार' का लेखक परिचय लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा 80-100 शब्द)

प्र.14) 'संयुक्त परिवार वाले उस दौर में पति ने हमारा पक्ष कभी नहीं लिया ।' इस कथन को 'सिल्वर वैडिंग' पाठ के प्रासंगिक वर्तमान परिप्रेक्ष्य में तर्क लिखिए । (उत्तर शब्द सीमा 120 शब्द) **[6]**

अथवा

'रोते–धोते पाठशाला फिर से शुरु हो गई ।' इस कथन में 'जूझ' पाठ के आधार पर किसान–मजदूर की संघर्ष झाँकी चित्रित कीजिए । (उत्तर शब्द सीमा 120 शब्द)

खण्ड – द

प्र.15) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – **[2 + 4 = 6]**

नौरस गुंचे पंखड़ियो की नाजुक गिरहें खोले हैं
या उड़ जाने को रंगों – बू गुलशन में पर खोले हैं ।
तारे आँखें झपकावे हैं जर्रा–जर्रा सोये हैं
तुम भी सुनो हो यारो ! शब में सन्नाटे कुछ बोले है
हम हो या किस्मत हो हमारी दोनों को इक ही काम मिला
किस्मत हमको रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं ।
जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें
मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले है ।

अथवा

नभ में पाँति – बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया ।
हौले – हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।
उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें
नभ में पाँती – बँधी बगुलो की पाँखे ।

प्र.16) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [2 + 4 = 6]

जेठ की जलती धूप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुण्ड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था । कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकने की हिम्मत करते हैं । कर्णिकार और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूँ । वे भी आस–पास बहुत हैं । लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती । वह पन्द्रह–बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति । कबीरदास को इस तरह पन्द्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था । यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़–के–खंखड़ 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास!'

अथवा

जाति–प्रथा का श्रम विभाजन मनुष्य की स्वेच्छा पर निर्भर नहीं रहता । मनुष्य की व्यक्तिगत भावना तथा व्यक्तिगत रुचि का इसमें कोई स्थान अथवा महत्व नहीं रहता । 'पूर्व लेख' ही इसका आधार है । इस आधार पर हमें यह स्वीकार करना पड़ेगा कि आज के उद्योगो में गरीबी और उत्पीड़न इतनी बड़ी समस्या नहीं जितनी यह कि बहुत से लोग निर्धारित कार्य को 'अरूचि' के साथ केवल विवशतावश करते हैं । ऐसी स्थिति स्वभावत: मनुष्य को दुर्भावना से ग्रस्त रहकर टालू काम करने और कम काम करने के लिए प्रेरित करती है । ऐसी स्थिति में जहाँ काम करने वालों का न दिल लगता हो न दिमाग, कोई कुशलता कैसे प्राप्त की जा सकती है ।

प्र.17) सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, 4 अजमेर की ओर से बोर्ड की पाठ्यपुस्तके क्रय सूचना करने हेतु विज्ञप्ति तैयार कीजिए । [4]

अथवा

अपने विद्यालय में कार्यालय सामग्री क्रय करने हेतु एक निविदा लिखिए ।

प्र.18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सारगर्भित निबंध लिखिए । (शब्द सीमा 300 शब्द) [5]

(1) कोरोना महामारी – एक अभिशाप

(2) युवा शक्ति एवं चुनौतियाँ

(3) साक्षरता अभियान के बढ़ते कदम

(4) समाज में नारी योगदान

DO NOT WRITE ANYTHING HERE